जा रहा है और आवश्यकतानुसार उनमें समायोजन किया जाता है । अप्रैल, 1985 से मार्च, 1988 तक की तीन वर्ष की अवधि के लिये हाल ही में घोषित आयात तथा निर्यात नीति निर्यातों पर प्रमुख बल देने के साथ-साथ कारगर आयात प्रतिस्थापन प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से तैयार की गई है । परम्परागत और गैर परम्परागत उत्पादों के निर्यातों में वृद्धि करने के उद्देश्य से संयुक्त राज्य अमरीका, फ्रांस आदि जैसे महत्वपूर्ण बाजारों में निर्यात संवर्धन कार्यकलापों और वाणिज्यिक प्रचार में तेजी लाने के लिये भी कदम उठाये जा रहे हैं ।

व्यापार मेले

706. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव** : क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1985 के दौरान भारत द्वारा कितने व्यापार मेलों तथा प्रदर्शनियों में भाग लेने की संभावना है तथा उन पर कितनी धनराशि खर्च किये जाने की संभावना है और उनमें कितना व्यापार होने की आशा है ;

(ख) अक्तूबर, 1985 में सियोल में आयोजित किये जाने वाले खिलोने मेले तथा उसी महीने में आयोजित किये जाने वाले संभावित 16वें कोरियाई इलेक्ट्रानिकी मेले और अगस्त, 1985 में सिंगापुर में आयोजित किये जाने वाले "वाहल्डमेंट" 85 में भाग लेने के लिये अब तक क्या तैयारियां की गई हैं ;

(ग) चालू वर्ष के दौरान भारत में आयोजित होने वाले व्यापार मेलों के नाम और समय क्या क्या हैं तथा इसमें किन किन देशों द्वारा भाग लिये जाने की संभावना है ; और

(घ) इन मेलों में राज्यभाषा हिन्दी के प्रयोग हेतु क्या व्यवस्था की गई है ?

वाणिज्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० ए० संगमा) : (क) ऐसी संभावना है कि 1985 (जनवरी-दिसम्बर) के दौरान भारतीय व्यापार मेला प्राधिकरण विदेशों में 34 मेलों में और 2 पूर्णतः भारतीय प्रदर्शिनियों में भाग लेने का आयोजन करेगा । इन आयोजनों में से 19 मेलों/प्रदर्शनियों में भाग लेने का कार्य पूर्ण हो चुका है । इन 19 मेलों में उत्पन्न कारोबार निम्नोक्त प्रकार है :—

(लाख रु० में)

मौके पर बिक्रियां . . .	28.70
बुक किया गया कारोबार .	5950.60

इस समय इस बात का मूल्यांकन करना संभव नहीं है कि जो मेले अभी आयोजित किये जाने हैं उनमें कितना कारोबार उत्पन्न होने की सभावना है। 1985 मे आयोजित किये जा रहे मेलो पर होने वाला अनुमानित व्यय लगभग 560 लाख रु० है।

(ख) भारतीय व्यापार मेला प्राधिकरण इन प्रदर्शनियों में भाग नहीं ले रहा है ।

(ग) 1985 के दौरान प्रगति मैदान मे होने वाले मेलो के नाम संलग्न विवरण में दिये गये है । 27 देशों में भारत अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेला, 1985 में भाग लेने की पुष्टि कर दी है । वस्तु मेलों में विदेशों द्वारा भाग लिये जाने के संबंध में भारतीय व्यापार मेला प्राधिकरण ने कई देशों को निमंत्रण पत्र जारी कर दिये है और उनके उत्तर की प्रतीक्षा है ।

(घ) भारतीय व्यापार मेला प्राधिकरण द्वारा प्रगति मैदान में किये जाने वाले मेलों/प्रदर्शनियों की सभी प्रचार सामग्री जैसे पोस्टर, विज्ञापन, विज्ञापन पट्टिया आदि द्विभाषी रूप में है । सूचना बूथों पर सभी जानकारी हिन्दी और साथ ही अंग्रेजी में दी जाती है । जहां तक भारतीय व्यापार मेला प्राधिकरण द्वारा आयोजित विदेशी प्रदर्शनियों में हिन्दी के प्रयोग का सम्बन्ध है, मेला सूचिकाये उन स्थानो में हिन्दी में भी प्रकाशित की जाती है जहां हिन्दी जानने वालों की जनसंख्या काफी होती है ?

विवरण

1985 के दौरान भारतीय व्यापार मेला प्राधिकरण और अन्य अभिकरणों द्वारा प्रगति मैदान में आयोजित किये जाने वाली प्रदर्शनियां/मेले

क्रम सं०	मेले का नाम	अवधि
1	2	3
1.	भारत अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेला	नवम्बर, 14–27, 1985
2.	हथकरघा, खादी, ऊनी निटवियर तथा वस्त्र मेला	अगस्त, 14 सितम्बर, 8, 1985
3.	ओगे –85 . . . . तेल तथा गैस मशीनरी प्रदर्शनी	नवम्बर, 14–27, 1985
4.	मैसर्स बीमेन एक्सपी . . .	दिसम्बर, 21–31, 1985

फ्रांस और अमरीका में भारत मेले

707. **श्री कैलाशपति मिश्र :**
श्री अश्विनी कुमार :
श्री शंकर सिंह वाघेला :

क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि फ्रांस और अमरीका में भारतीय मेले के उद्घाटन के बाद एक ऐसा अभियान चलाने का निर्णय किया गया है जिससे भारत में मुक्त व्यापार क्षेत्र में तथा शत प्रतिशत निर्यातोन्मुखी इकाइयां में अपनी पूंजी लगाने के लिये अनिवासी भारतीय आकर्षित हो सकें ; और

(ख) यदि हां, तो अभियान का ब्यौरा क्या है तथा इस पर कितना अनुमानित व्यय होने की संभावना है ?

वाणिज्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० ए० संगमा) : (क) और (ख) भारतीय निर्यातों के संवर्धन और भारत में अधिकाधिक निवेशों के उद्देश्य से वाणिज्यिक प्रचार सम्बन्धी एक गहन कार्यक्रम तैयार करने का विनिश्चय किया गया है जोकि फ्रांस और सं०रा० अमरीका में हो रहे भारत महोत्सवों के साथ साथ बड़े पैमाने पर हो । इस कार्यक्रम के ब्यौरे तैयार किये जा रहे हैं ।

Export of foodgrains

708. SHRI R. SAMBASIVA RAO: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) what was the quantum of foodgrains exported to different countries during the year 1984-85; and

(b) what is the quantum of foodgrains likely to be exported to different countires during the current financial year?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI P. A. SAGMA): (a) As per available information, about three lakh tonnes of foodgrains were exported to different countries during 1984-85.

(b) It is not possible at this stage, to indicate the quantum of foodgrains that the trade would be able to export during the current financial year